[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 215 **L**

Unique Paper Code : 2324000012

Name of the Paper : PARLIAMENTARY PROCEDURES AND PRACTICES IN INDIA

Name of the Course : **B.A. Political Science (बी.ए. राजनीति विज्ञान) GE**

Semester : VIII

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

छात्रों के लिए निर्देश.

1. Write your Roll No- on the top immediately on receipt of this question paper.

   इस प्रश्न - पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. Attempt Any Five questions.

   किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

3. All questions carry equal marks.

   सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

4. Answers may be written either in English or Hindi but the same medium should be followed throughout the paper.

   इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

1. Discuss the powers of the Speaker of the Lok Sabha regarding the certification of a Money Bill. Why is this power often a subject of political debate?

   धन विधेयक (Money Bill) के प्रमाणन के संबंध में लोकसभा अध्यक्ष की शक्तियों पर चर्चा करें। यह शक्ति अक्सर राजनीतिक विवाद का विषय क्यों बनी रहती है?

2. 'Parliamentary privileges are not absolute but are subject to judicial scrutiny.' Discuss this statement with relevant constitutional provisions.

   "संसदीय विशेषाधिकार पूर्ण नहीं हैं, बल्कि न्यायिक समीक्षा के अधीन हैं।" प्रासंगिक संवैधानिक प्रावधानों के साथ इस कथन की विवेचना कीजिए।

3. Discuss the significance of the 'Second Reading' stage of a Bill. Why is this considered the most crucial stage for detailed deliberation?

   विधेयक के 'द्वितीय वाचन' (Second Reading) चरण के महत्व पर चर्चा करें। इसे विस्तृत विचार-विमर्श के लिए सबसे महत्वपूर्ण चरण क्यों माना जाता है?

4. Compare the tenure and continuity of the Rajya Sabha with the Lok Sabha and explain why the Rajya Sabha is called a 'permanent house'.

   लोकसभा के साथ राज्यसभा के कार्यकाल और निरंतरता की तुलना कीजिए और स्पष्ट करें कि राज्यसभा को 'स्थायी सदन' क्यों कहा जाता है।

5. Detail the role of the President in the legislative process, focusing on the options available when a Bill is presented for Presidential Assent.

   विधायी प्रक्रिया में राष्ट्रपति की भूमिका का विस्तार से वर्णन कीजिए, विशेष रूप से राष्ट्रपति की अनुमति (Assent) के लिए विधेयक प्रस्तुत किए जाने पर उपलब्ध विकल्पों पर ध्यान केंद्रित कीजिए।

6. Explain the importance of 'Short Duration Discussions' as a means for members to raise matters of urgent public importance without a formal vote.

बिना औपचारिक मतदान के सदस्यों द्वारा सार्वजनिक महत्व के अविलंबनीय मामलों को उठाने के साधन के रूप में 'अल्पकालिक चर्चा' (Short Duration Discussions) के महत्व की व्याख्या कीजिए।

7. What is the 'Guillotine' procedure in the context of the Union Budget? Discuss its impact on the democratic scrutiny of government spending.

केंद्रीय बजट के संदर्भ में 'गिलोटिन' (Guillotine) प्रक्रिया क्या है? सरकारी खर्च की लोकतांत्रिक जांच पर इसके प्रभाव की विवेचना कीजिए।

8. Discuss the legal and procedural significance of the Appropriation Bill in authorizing the withdrawal of funds from the Consolidated Fund of India.

भारत की संचित निधि से धन की निकासी को अधिकृत करने में विनियोग विधेयक (Appropriation Bill) के कानूनी और प्रक्रियात्मक महत्व पर चर्चा कीजिए।

9. Evaluate the role of Departmentally Related Standing Committees (DRSCs) in examining the Demands for Grants of various ministries.

विभिन्न मंत्रालयों की 'अनुदान मांगों' (Demands for Grants) की जांच करने में विभाग-संबंधित स्थायी समितियों (DRSCs) की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए।

10. Write a short note on any TWO of the following
निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें

    a. Constitutional Amendment Bills
    संविधान संशोधन विधेयक

    b. Role of Leader of Opposition
    विपक्ष के नेता की भूमिका

c. Role of Civil Society in law-making process
निर्माण प्रक्रिया में नागरिक समाज की भूमिका

d. Comptroller and Auditor General
नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक